खेत में करंट की चपेट में आने से चाचा-भतीजे की मौत

▶ जंगली जानवरों से फसल बचाने बिछाए बिजली के तार

नवभारत न्यूज
बेगमगंज, 15 सितंबर. सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ी राजाराम में जंगली जानवरों से फसल की सुरक्षा को लेकर विद्युत प्रवाहित तारों का जाल बिछाए जाने से खेत पर करंट की चपेट में आने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई.

चाचा -भतीजे सोमवार दोपहर त्योहार के लिए हरतालिका तीज का त्यौहार होने के कारण फुलेरा बांधने के लिए फूल लेने खेत गए थे, लेकिन देर शाम तक दोनों घर वापस नहीं लौटे. तब परिजनों द्वारा उनकी तलाश के किए जाने पर दोनों के शव सोमवार की देर रात एक मक्का के खेत में पड़े मिले.

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम बेरखेड़ी राजाराम निवासी अशोक अहिरवार (45) पिता छोटे अहिरवार, अपने छोटे भाई सेवदीन के 16 वर्षीय पुत्र संजय अहिरवार को साथ लेकर सोमवार को दोपहर में खेत पर गए थे. काफी देर तक दोनों के वापस नहीं आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन तलाश किए जाने के बाद जब वो नहीं मिले तो परिजनों द्वारा पुलिस को चाचा -भतीजे के गुम होने की सूचना दी गई. इसके बाद

पुलिसकर्मियों एवं परिजनों ने ग्रामीणों के साथ दोनों की तलाश शुरू की. बीती सोमवार की रात करीब 12 बजे ग्राम चौकीदार ऋषि चढ़ार के मक्का के खेत में चाचा अशोक अहिरवार एवं भतीजा संजय अहिरवार मृत अवस्था में खेत में पड़े मिले. परिजनों के अनुसार अशोक के हाथ में एक तार उलझा हुआ था. मौके पर मक्का की फसल को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेत के चारों ओर खूंटे लगाकर तार लगाए जाने की बात सामने आई है. परिजनों ने आशंका जताई है कि इसी तार में कथित रूप से विद्युत करंट प्रवाहित किया गया था. घास अधिक होने के कारण तार दिखाई नहीं देने से दोनों उसकी चपेट में आए होंगे. हालांकि करंट किसने और किस परिस्थिति में लगाया था, यह पुलिस जांच का विषय है. पुलिस ने दोनों शवों को सोमवार रात सुल्तानगंज अस्पताल पहुंचाया. मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए. थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल की जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा. जांच में यदि किसी की लापरवाही या आपराधिक कृत्य सामने आता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

ग्रामीणों में आक्रोश

खेतों में जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए तारों में करंट प्रवाहित किए जाने की घटनाएं क्षेत्र में पहले भी सामने आती रही हैं. ग्रामीणों के अनुसार पिछले वर्ष ग्राम नई गढ़िया में खेत में जंगली जानवरों से मक्का की फसल बचाने के लिए लगाए गए कथित करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हुई थी. ग्राम घोघरी में भी ऐसी ही घटना में एक व्यक्ति की जान जा चुकी है. बेगमगंज क्षेत्र में भी पूर्व में इस तरह के दो मामले सामने आने की बात पुलिस द्वारा कही जा रही है. लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है. ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में खुले तारों में करंट प्रवाहित करना इंसानी जान के लिए गंभीर खतरा है. उनका आरोप है कि जागरूकता और प्रभावी रोकथाम के अभाव में हादसे दोहराए जा रहे हैं. ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के साथ किसानों और ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है.

नदी में डूबने से बालिका की मौत, मौसी को बचाया

▶ हरतालिका तीज पर पांडाझिर में फुलेरा विसर्जन करते वक्त हादसा

नवभारत न्यूज
बेगमगंज, 15 सितंबर. हरतालिका तीज पर निर्जला व्रत रखने वाली एक 17 वर्षीय बालिका की दुधई नदी में फुलेरा सिरहाते समय पांव फिसने से डूबने से मौत हो गई.

बालिका को बचाने के प्रयास में उसकी हमउम्र मौसी भी पीछे से नदी में कूद गई, लेकिन वो भी डूबने लगी जिसे उसकी माँ ने बमुश्किल बचाया ओर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया. जहां उसका इलाज जारी है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम पांडाझिर में अपने नाना हीरालाल लोधी के घर पर पिछले एक माह से रह रही 17 वर्षीय शिवानी लोधी पिता शिवराजसिंह लोधी निवासी महुना गूजर (राहतगढ़) सागर ने निर्जला व्रत रखा था और परिवार की अन्य महिलाओं के साथ रात्रि जागरण कर भजन - कीर्तन में भाग भी लिया था. मंगलवार सुबह 5 बजे शिवानी अपनी नानी शांति बाई एवं हमउम्र मौसी प्रियंका लोधी 17 वर्ष के साथ गांव के पास से निकली दुधई नदी पर फुलेरा सिरहाने(विसर्जन) करने गई थी.

> नदी के घाट पर फुलेरा सिरहाते समय अचानक शिवानी का पांव फिसल गया और वह नदी में जा गिरी, जिसे बचाने के लिए उसकी मौसी प्रियंका पीछे से कूद पड़ी, लेकिन वो उसे नहीं बचा पाई और वह भी डूबने लगी, तब घाट पर मौजूद उसकी मां शांति बाई लोधी ने कूदकर अपनी बेटी प्रियंका को तो बचा लिया लेकिन गहरे पानी में जाने से शिवानी को नहीं बचा पाई. महिलाओं की चीखपुकार से गांव के कई व्यक्ति भागकर नदी पर पहुंच गए ओर गांव के युवाओं ने बमुश्किल नदी के गहरे गड्ढे से शिवानी को ढूंढकर बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है. वहीं घटना की जानकारी लगते ही एसडीएम प्रिंयका भलावी एवं तहसीलदार प्रमोद उइके भी सिविल अस्पताल पहुंचे और भर्ती प्रिंयका लोधी की हालचाल पूछने के साथ दुखी परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी.

सरकार किसानों की समस्याओं का शीघ्र करे निराकरण

▶ भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सिलवानी, 15 सितंबर. ज्ञापन दिवस के अवसर पर भारतीय किसान संघ इकाई सिलवानी द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम राजस्व अधिकारी अलका सिंह को ज्ञापन सौंपा गया.

ज्ञापन के माध्यम से किसान संघ ने किसानों को आ रही समस्याओं से शासन एवं प्रशासन को अवगत कराते हुए उनके शीघ्र निराकरण की मांग की.

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि किसानों को कृषि कार्यों के दौरान

विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इन समस्याओं के निराकरण के लिए शासन स्तर पर प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है. संघ ने किसानों के हित में संबंधित मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान किए जाने की मांग की. ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान संघ भोपाल संभाग मंत्री राघवेंद्र रावत, जिला सदस्य अजय कुमार मिश्रा, जिला मंत्री महेंद्र रघुवंशी, नगर अध्यक्ष निरपत सिंह रघुवंशी, ब्लॉक मंत्री संदीप रघुवंशी, ग्राम इकाई रामपुर अध्यक्ष चंद्रभान मुखिया, बृजेश गौर, सुरेंद्र गौर सहित बड़ी संख्या में किसान, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

सलामतपुर ओवरब्रिज पर मवेशियों का डेरा, हादसे का खतरा

▶ भोपाल-विदिशा स्टेट हाइवे पर रोजाना लग रहा लंबा जाम

नवभारत न्यूज
सलामतपुर, 15 सितंबर. भोपाल-विदिशा स्टेट हाइवे पर सफर करने वाले राहगीरों के लिए सलामतपुर रेलवे ओवरब्रिज इन दिनों किसी खतरे से कम नहीं साबित हो रहा है. प्रशासन की अनदेखी और पशुपालकों की गैर-जिम्मेदारी के कारण आवारा मवेशियों ने इस व्यस्ततम ओवरब्रिज को अपना नया ठिकाना बना लिया है.

सड़क के ठीक बीचो-बीच डेरा जमाकर बैठे पशुओं के झुंड के कारण न केवल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, बल्कि भीषण सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा भी लगातार बना हुआ है. दिन के समय जहां कई-कई घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें और जाम की स्थिति बन रही है, वहीं रात के समय यह हाईवे वाहन चालकों के लिए मौत का जाल बन जाता है.

भोपाल-विदिशा स्टेट हाइवे 18 और एनएच 146 का एक बड़ा हिस्सा आवारा मवेशियों के जमावड़े की वजह से दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन चुका है. बालमपुर घाटी से शुरू होकर भदभदा, देहरी, दीवानगंज, कुल्हाड़िया, बेरखेड़ी चौराहा, सलामतपुर, त्रिमूर्ति चौराहा, ढकना चौराहा और आमखेड़ा तक सड़कों पर दिन-रात मवेशियों का कब्जा रहता है.व्यस्त समय में मवेशियों के बीच में आ जाने से गाड़ियों की रफ्तार थम जाती है और घंटों जाम लगता है.स्ट्रीट लाइटों के अभाव और अंधकार में सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को नजर नहीं आते. तेज रफ्तार वाहन सीधे इनसे टकरा जाते हैं, जिससे दर्जनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं और कई बेजुबान गायों की असमय मौत हो चुकी है.

गौशालाएं बनीं, फिर भी सड़कों पर मवेशी

ग्राम पंचायत सुनारी के पूर्व सरपंच मूलचंद यादव का कहना है कि सांची जनपद क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में गौशालाओं का निर्माण कार्य कागजों और इमारतों तक पूरा हो चुका है, लेकिन लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी पशु सड़कों पर ही बैठने को मजबूर हैं. सरकार आदेश तो देती है कि मवेशी मालिकों पर कार्रवाई होगी, लेकिन दर्जनों हादसों के बाद भी आज तक किसी एक दोषी पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई. आखिर इस लचर व्यवस्था का जिम्मेदार कौन है

रातातलाई के पंडित अशोक त्रिपाठी ने कहा कि भोपाल-विदिशा मार्ग पर हादसे रोजाना की बात हो गई है. सलामतपुर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन को खुद माइक से एनाउंसमेंट (मुनादी) करवाकर पशुपालकों को सख्त चेतावनी देनी चाहिए कि वे अपने मवेशियों को घरों में बांधकर रखें. जब तक मवेशी मालिकों के खिलाफ सीधी और कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे बाज नहीं आएंगे और बेगुनाह लोग अपनी जान गंवाते रहेंगे.

सांची विवि के कुलगुरु का पदभार प्रो. बिमलेंद्र कुमार ने संभाला

नवभारत न्यूज
सलामतपुर, 15 सितंबर. साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो. बिमलेंद्र कुमार ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है.

अब तक कुलगुरु का जिम्मा संभाल रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिवशेखर शुक्ला ने उन्हें यह दायित्व सौंपा और नवागत कुलगुरु को विश्वविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया. पदभार ग्रहण करने के बाद कुलगुरु प्रो. बिमलेंद्र कुमार ने सबसे पहले बोधि वृक्ष के दर्शन किए. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर कुलसचिव प्रो. राम निवास गुप्ता, उपकुलसचिव विवेक पाण्डेय एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की.

शिक्षकों और कर्मचारियों से अपने लक्ष्य साझा करते हुए प्रो. बिमलेंद्र कुमार ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य साँची विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जीवंत और प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित करना है. उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षण, शोध और अकादमिक उत्कृष्टता के जरिए इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को एकसाथ मिलकर काम करना होगा.

नवागत कुलगुरु ने इच्छा जताई कि म्यांमार, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के छात्र अध्ययन एवं शोध के लिए साँची विश्वविद्यालय को अपनी पहली पसंद बनाएं. विदेशी व भारतीय छात्रों के लिए परिसर में ही सभी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रख्यात विज़िटिंग प्रोफेसर्स को आमंत्रित किया जाएगा.

पटवारियों के सहायकों ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

नवभारत न्यूज
बेगमगंज, 15 सितंबर. पटवारियों की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम नायब तहसीलदार विक्रम सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपा.

मप्र पटवारी सहायक संगठन बैनर तले सर्वेयर संघ बेगमगंज अध्यक्ष दिलीप कुमार पांडे, सुल्तानगंज अध्यक्ष शिवम शर्मा, उपाध्यक्ष दीपक लोधी, प्रदीप यादव, सुरेंद्र पंथी, संजू ठाकुर, नितेश ठाकुर, अजय चौरसिया, राजपाल यादव, ऋषि राज अठ्या, ललन अठ्या, अजय अठ्या, दर्शन विश्वकर्मा , प्रदीप लोधी , एस. ठाकुर , विवेक कुमार , अनुराग गौर इत्यादि सहित सभी युवा साथी सर्वेयर्स ने

रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मौसम के अनुसार स्थाई सुरक्षा किट उपलब्ध कराने , 29 अप्रैल 2026 का आदेश निरस्त करने , सहायक पटवारी का दर्जा देने , स्थाई रूप से नियमित रोजगार उपलब्ध कराने , लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान करने , उज्जैन जिले के झारड़ा तहसील के युवा साथी सर्वेयर स्व. मुकेश कुमार अमलादिया की गिरदारी करते समय हुई मृत्यु पर परिवार को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ आश्रित को आवश्यक सहयोग प्रदान करने एवं खरीफ सीजन में जीपीएस की लोकेशन 50 फीट से बढ़ाकर 100 फीट किए जाने सहित अपनी आजीविका को स्थाई रखे जाने की मांगों को एक सप्ताह के अंदर स्वीकृत नही किया गया तो उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है.

फसल बर्बादी को लेकर दिल्ली पहुंचे रायसेन के किसान

▶ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपी शिकायत

भोपाल,15 सितंबर. खेती में हुए भारी नुकसान और कथित धांधली के खिलाफ न्याय पाने के लिए रायसेन जिले के एक पीड़ित किसान ने देश की राजधानी दिल्ली का रुख किया है.

सिलवानी तहसील के ग्राम बूढ़ा निवासी किसान सत्यम कौरव अपनी 15 एकड़ खेत में बोई गई अरहर (तुअर) की फसल के नुकसान की शिकायत लेकर सीधे केंद्रीय कृषि और किसान

कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलने पहुंचे. किसान ने केंद्रीय मंत्री को पूरे मामले के दस्तावेज सौंपते हुए निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है. पीड़ित किसान द्वारा प्रस्तुत शिकायती दस्तावेजों में उदयपुर स्थित रेवा कृषि निदान के संचालक राजेंद्र सिंह रघुवंशी का नाम सामने आया है. स्थानीय प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा संबंधित दुकान का लाइसेंस पहले ही निरस्त किया जा चुका है और दुकान को सील करने की कार्रवाई भी की जा चुकी है. हालांकि पीड़ित किसान का कहना है कि महज सील करने से नुकसान की भरपाई नहीं होती, इसलिए मामले में दोषी पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए. किसान सत्यम कौरव का कहना है कि भविष्य में किसी अन्य अन्नदाता को घटिया कृषि सामग्री या फर्जीवाड़े के कारण इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े, इसीलिए उन्होंने इस मुद्दे को केंद्रीय स्तर पर उठाने का फैसला किया.

आयोजन ▶ साईंखेड़ा में नारी जागरण व पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

भगवती देवी उपवन की स्थापना, शमशान में रोपे पौधे

नवभारत न्यूज
साईंखेड़ा/ सिलवानी, 15 सितंबर. शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार द्वारा सिलावानी तहसील के ग्राम साईंखेड़ा में नारी जागरण व पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

बाड़ी में सम्पन्न हुए कन्या कौशल शिविर के पश्चात दोपहर 3 बजे से साईंखेड़ा के श्री लक्ष्मीनारायण बड़ा मंदिर परिसर में नारी जागरण एवं तत्पश्चात पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुए. नारी जागरण में 30 बहिनों एवं

इतनी ही संख्या मे पधारी कन्याओं को बहिन पूर्णिमा पवार ने युग परिवर्तन के सन्धि काल मे भगवान के कार्य मे हाथ बंटाने वालों का भविष्य स्वर्णिम अक्षरों मे लिखे जाने और जीवन लक्ष्य प्राप्त होने के गिद्ध, गिलहरी, रीछ, वानरों, ग्वाल वालों आदि के कई उदारहण प्रस्तुत कर बहिनों को समय का महत्व बताया. उन्होंने बहिनों से महिला मण्डल बनाने, बाल संस्कार शालाएं चलाने, स्वाध्याय सत्संग मंडल स्थापित करने और घर घर मे देवत्व के जागरण के बालकों के समय पर संस्कार सम्पन्न कराये जाने हेतु बहिनों का मार्गदर्शन दिया. संतोष धाकड़ जिला समन्वयक द्वारा सिलवानी में बाल शाला संचालित करने वाली चार बहिनों के प्रयासों के सराहना करते हुए उनका उपजोन प्रतिनिधियों एवं खंडवा से पधारी देव कन्याओं के माध्यम से सम्मान कराया गया. इस अवसर शमशान घाट में पौधारोपण एवं श्री राय मैरिज गार्डन में माता भगवती देवी उपवन की स्थापना भी की गई, नारी जागरण और उपवन स्थापना प्रथम वार आयोजित कार्यक्रम थे . जिनमे खंडवा की देवकन्याओं की उपस्थिति और उनके उद्बोधन से शताब्दी संकल्प अभियानों में नारी जागरण अभियान को एक नई दिशा और प्रेरणा मिली. अंत में मंदिर परिसर में साहित्य केंद्र की स्थापना कर सुरेश श्रीवास्तव भोपाल उपजोन सह समन्वयक ने विचार क्रांति के स्वरूप और युग ऋषि द्वारा रचित युगसाहित्य के पठन पाठन के लाभ बताये.

ऋषि पंचमी पर महिलाओं ने रखा व्रत, सुनीं कथा

▶ सप्त ऋषियों का विधि-विधान से किया पूजन

नवभारत न्यूज
सिलवानी, 15 सितंबर. ऋषि पंचमी का पर्व मंगलवार को नगर एवं क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया. पर्व के अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखकर सप्त ऋषियों का विधि-विधान से पूजन किया तथा धार्मिक कथा का श्रवण किया.

महिलाओं ने घरों और देवालयों में परंपरागत रूप से पूजा-अर्चना की. दिनभर व्रत रखकर महिलाओं ने सप्त ऋषियों के प्रति श्रद्धा अर्पित की और

परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की. इस दौरान पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ नजर आई. धार्मिक मान्यता के अनुसार ऋषि पंचमी का व्रत रखने से रजस्वला अवस्था में जाने-अनजाने में हुए दोषों का निवारण होता है. इसी मान्यता के चलते महिलाओं द्वारा श्रद्धापूर्वक यह व्रत रखा जाता है.

पर्व के अवसर पर पंडित अभिषेक शास्त्री ने महिलाओं को ऋषि पंचमी की कथा का श्रवण कराया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई. महिलाओं ने श्रद्धा के साथ कथा सुनी और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया.